Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार हो रहा विस्तार

आइसीयू और आइसोलेशन बेड की संख्या बढ़ाने की तैयारी

चुनौती

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना का प्रकोप भले ही अभी थमा हो, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। कोरोना के उपचार के लिए अधिकृत अस्पतालों में जहां आइसोलेशन बेड बढ़ाए जा रहे हैं, वहीं आइसीयू की भी क्षमता बढ़ेगी। जिसका प्लान भी तैयार है।

दून में ही वर्तमान समय में पांच अस्पतालों में 1400 बेड कोरोना के मरीजों के उपचार के लिए आरक्षित हैं। जबकि वेंटिलेटर सहित 74 आइसीयू बेड की व्यवस्था है। जिससे अगले एक माह के भीतर और बढ़ा दिया जाएगा। तकरीबन दो हजार आइसोलेशन बेड व 215 आइसीयू बेड केवल कोरोना के मरीजों के लिए आरक्षित होंगे। देश में जिस तरह से कोरोना के मरीज बढ़े हैं, चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। यही वजह है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार विस्तार देने में जुटी है। पिछले दो दिन में जहां 477 नए चिकित्सकों की नियुक्ति सरकार ने की है। फोकस इस बात पर है कि इलाज में किसी तरह की कोई कमी न रहे।

दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के अलावा निजी अस्पतालों में भी बेड आरक्षित किए गए हैं। संसाधन भी बढ़ाए जा रहे हैं। अप्रैल अंत तक आइसीयू बेड करीब तीन गुना बढ़ जाएंगे। आइसोलेशन बेड में भी बढ़ोत्तरी की जा रही है।

नर्सों ने रखी स्थायी नियुक्ति की मांग: कोरोना के खिलाफ लड़ाई में चिकित्सक व नर्स सबसे आगे खड़े हैं। इस संकटकाल में राज्य सरकार ने चिकित्सकों की तो नियमित भर्ती की, पर नर्सिंग का स्टाफ अस्थायी रखा जा रहा है। जिस पर नर्सेज एसोसिएशन ने एतराज जताया है। संगठन ने इस संदर्भ में सीएम को पत्र भेजा है। उत्तराखंड नर्सेज एसोसिएशन की अध्यक्ष मीनाक्षी जखमोला व महामंत्री कांति राणा का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग व चिकित्सा शिक्षा में काफी पद रिक्त है, पर इन्हें नहीं भरा जा रहा। कहा कि नर्सों की अस्पतालों में मरीजों की देखभाल एवं अस्पताल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राज्य सरकार को स्टाफ के लिए परिवहन की व्यवस्था भी करनी चाहिए।

निजी अस्पतालों को मिलेगी सुरक्षा किट

कोरोना के उपचार के लिए आरक्षित निजी अस्पतालों को अब राज्य सरकार ही एन–95 मास्क और पीपीई किट मुहैया कराएगी। दरअसल अस्पतालों को अपने स्तर पर खरीद में दिक्कत हो रही है। बताया गया कि सरकार ये सामान एकसाथ खरीदेगी। जिसका अस्पताल भुगतान करेंगे। अटल आयुष्मान में शामिल अस्पताल के क्लेम से भी इस रकम की कटौती का विकल्प रखा गया है। बता दें, प्रदेश में अभी तक कोरोना के सात मामले सामने आ चुके हैं। साथ ही संदिग्ध मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में राज्य सरकार ने दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल को कोरोना के उपचार के लिए आरक्षित रखा है। इसके अलावा एम्स ऋषिकेश, हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट, श्री महंत इंदिरेश अस्पताल व सैन्य अस्पताल में भी उपचार की व्यवस्था है।

वीटीएम में भी अस्पतालों को मदद देगी सरकार

निजी अस्पतालों का कहना है कि उन्हें वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया (वीटीएम) की व्यवस्था करने में भी दिक्कत आ रही है। दरअसल, जांच सैंपल के ट्रांसपोर्टेशन के लिए एक विशेष प्रकार का वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया यानी कलेक्शन ट्यूब चाहिए होती है। यहां तक कि सैंपल भेजने को भी विशिष्ट इंतजाम होते हैं। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वीटीएम आवश्यकता अनुसार अस्पतालों को उपलब्ध कराए जाएंगे। यह भी कहा गया है कि कोरोना के मरीज के लिए यदि अलग एंबुलेंस की आवश्यकता है तो सरकार इंतजाम करेगी।

न्यूज डायरी

भड़काने पोस्ट डालने वाले पर मुकदमा

संवाददाता हरिद्वार। फेसबुक पर भड़काऊ पोस्ट डालना एक युवक को उस समय भारी पड़ गया। जब बजरंग दल के जिला सह संयोजक जिवेन्द्र तोमर ने इस पोस्ट पर मुकदमा दर्ज करा दिया। लेकिन आरोपी ने कार्यवाही होता देख पोस्ट को डिलीट कर दिया। लेकिन पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी सऊदी में रहता है, लेकिन मूल निवासी बहादरपुर जट का रहने वाला है और लगातार साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने वाली पोस्ट सोशल मीडिया में वायरल करता रहता है। जिसके सम्बंध में बजरंग दल के प्रदेश संयोजक अनुज वालिया ने भी एसएसपी हरिद्वार से मिलकर आरोपी का पासपोर्ट रद्द करने की मांग की है। साथ ही उसके खिलाफ कार्यवाही करने की भी मांग की गयी है।

कोरोना से निपटने के राज्य सरकार के प्रयास नाकाफी

संवाददाता देहरादून। आम आदमी पार्टी पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश संचालन समिति, आम आदमी पार्टी उत्तराखण्ड प्रदेश नरेश पिरशाली ने कोरोना से निपटने के राज्य सरकार के प्रयासों को नाकाफी बताते हुए कटघरे में खड़ा किया है। यहां पार्टी का कहना है कि आज हमारे प्रदेश समेत पूरा देश संकट काल से गुजर रहा है संकट की इस घड़ी में हमारा मकसद सरकार पर आरोप प्रत्यारोप करना नहीं है परंतु जिस प्रकार धरातल पर जनता को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का कहना है कि मुख्यमंत्री ने जिलों को कैबिनेट मंत्रियों के हवाले कर दिया है मंत्रियों की धरातल पर कोई गतिविधि नहीं हो रही है जिससे जनता को हौसला मिल सके। शासन के इस उदासीन रवैये को देखकर नहीं लगता है कि सरकार युद्धस्तर पर कोरोना से निपटने के लिए कार्य कर रही है।

आढ़त बाजार कमेटी ने 255 परिवारों को प्रदान किया राशन

संवाददाता देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार की कमेटी ने 255 परिवारों को इस दुःख की घड़ी में राशन प्रदान कर सहयोगियों किया ताकि उनका चूल्हा जलता रहे। यहां जारी एक बयान में गुरुद्वारा श्री गुरू सिंह सभा आढ़त बाजार के महासचिव सेवा सिंह मठारू ने बताया कि कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण लॉकडाउन में गरीब एवं दिहाड़ी मजदूरों के बेरोजगार होने के कारण परिवार का लालन पोषण ना कर पाने के कारण उन 255 परिवारों को राशन का सहयोग किया ताकि उनके घरों में चूल्हा जलता रहे। अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजन ने कहा कि बिना पक्षपात के सहयोग किया जाता रहेगा।

लॉकडाउन के दौरान रात को हरकी पैड़ी पर हाथी उतरा, मचा हड़कम्प

संवाददाता हरिद्वार। हरकी पैड़ी क्षेत्र में बीती देर रात हाथी आ जाने से तैनात पुलिस कर्मियों में हड़कम्प मच गया। हाथी मुख्य सड़क से होता हुआ रेलवे ट्रेक पर जा पहुंचा। जिसको भगत सिंह चौक रेलवे पुलिया पर चलता हुआ देखा गया। जिसकी तैनात पुलिस कर्मियों ने वीडियो बनायी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती देर रात जब पूरा शहर नींद की आगोश में था और पुलिस के जवान लॉकडाउन में मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी पर डटे थे कि इसी दौरान अचानक राजा जी नेशनल पार्क से निकल कर हरकी पौड़ी पर सड़क पर आ गया। जिसको देखकर तैनात पुलिस कर्मियों में हड़कम्प मच गया और मामले की जानकारी अधिकारियों को दी। जिस पर हाथी को चुपचाप निकल जाने के निर्देश दिये गये।

150 से अधिक मजदूर कड़ाके की ठंड में हटा रहे हैं बर्फ

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बर्फ हटने का कार्य जारी है। 150 से अधिक मजदूर कड़ाके की ठंड में बर्फ हटा रहे हैं। छानी कैंप तक बर्फ हटा दी गई है, अब चार किमी पैदल मार्ग से बर्फ हटाई जानी शेष है। आगामी 15 अप्रैल तक गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर आवाजाही सुचारू होने की उम्मीद है। आगामी 29 अप्रैल से शुरू होने वाली केदारनाथ यात्रा को लेकर केदारनाथ पैदल मार्ग से बर्फ हटाने का काम जारी है।

वुड स्टोन कंपनी के मजदूरों द्वारा रास्ते की बर्फ हटाते हुए छानी कैंप तक आवाजाही सुचारू कर दी गई है। हालांकि, कई बार मौसम खराब होने व बर्फबारी होने से बर्फ हटाने के कार्य में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बीते फरवरी माह के अंतिम सप्ताह से केदारनाथ पैदल मार्ग में बर्फ हटाने का काम शुरू किया गया था, जो मार्च के शुरूआत में बर्फबारी अधिक होने के कारण सभी मजदूर वापस गौरीकुंड लौट आए थे, लेकिन फिर मौसम ठीक होने के बाद बर्फ हटाने का कार्य फिर से शुरू किया गया है।

गौरीकुंड से रामबाड़ा तक जिला आपदा प्रबंधन की लोनिवि शाखा द्वारा छह किमी तक आवाजाही सुचारू की गई थी। भीमबल से केदारनाथ तक वुडस्टोन कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बर्फ हटाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें लिनचोली से आगे छानी कैंप तक बर्फ हटा दी गई है। यहां से केदारनाथ मात्र चार किमी दूर है। 12 किमी पैदल मार्ग पर आवाजाही सुचारू हो गई है। वुड स्टोन के करीब 150 मजदूरों द्वारा बर्फ हटाने का काम कर रहे हैं। वुड स्टोन के प्रभारी मनोज सेमवाल ने बताया कि निर्धारित समय के भीतर पैदल मार्ग से बर्फ हटा दी जाएगी। छानी कैंप तक मार्ग पर आवाजाही कर दी गई है। मौसम ठीक रहा तो, आने वाले कुछ दिनों में केदारनाथ तक आवाजाही कर दी जाएगी। 15 अप्रैल तक केदारनाथ तक आवाजाही सुचारू होने की उम्मीद है।

■29 अप्रैल को खुलने हैं केदारनाथ धाम के कपाट

कोरोना संक्रमिक 28 दिनों तक आयसोलेशन एवं क्वारोंटाइन में रखे जायेंगे: डीएम

संवाददाता कोरोना वायरस संक्रमण के दृष्टिगत आंगनबाड़ी केन्द्रों के बन्द हो जाने के कारण छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को विभाग द्वारा राशन वितरण किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। 6 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण को दृष्टिगत रखते हुए सचिव महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग उत्तराखण्ड शासन द्वारा उक्त लाभार्थियों को टेक होम राशन सामग्री आंगनवाड़ी केन्द्रों तक पंहुचाने हेतु जनपद में चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि स्वयं सहायता समूह तथा उनके द्वारा टेक होम राशन सामग्री क्रय करने हेतु मण्डी तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंचाने हेतु उपयोग में लाए जाए गये वाहनों को आवागमन की सुविधा प्रदान की गयी है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि लॉकडाउन अवधि में सिविल सोसायटी व शासकीय विभागों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के दृष्टिगत प्रतिदिन उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक–एक कोरोना वॉरियर को चुना जायेगा।